महत्वपूर्ण उपलब्धियॉं

अवधि दिनांक 06/09/2016 से 31/03/2017 तक

प्रदेश में प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विभिन्न प्रकार की आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में आपदा प्रबंधन हेतु नवगठित राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल एवं होमगार्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं जवानों के आपदा प्रबंधन में क्षमता वृद्धि हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के निर्देशन में प्रशिक्षण, सिविल डिफेंस वालेन्टियर्स का रजिस्ट्रेशन/प्रशिक्षण, राज्य एवं राज्य के बाहर के विभिन्न संस्थाओं में डीप डायविंग व अन्य आपदा बचाव प्रशिक्षण एवं आवश्यक बचाव उपकरण व सामग्री देकर निरंतर क्षमतावृद्धि की गई है।

आलोच्य अवधि में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आपदा प्रबंधन में क्षमतावृद्धि हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आये डॉक्टर/इंजीनियर, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के करीब 200 प्रशिक्षणार्थियों को राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल द्वारा मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

प्रदेश में बाढ़ आपदा की दृष्टि से नर्मदा नदी के किनारे वाले जिले/क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है, अतः विभाग द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर 2016 से 28 मार्च 2017 तक निम्नानुसार जनहित के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से बड़वानी (लगभग 1077 कि.मी.) आस–पास/किनारों के निवासी नाविक, केवट, मल्लाह एवं अन्य अच्छे तैराका करीब 1945 लोगों को जनजाग्रति यात्रा के दौरान फर्स्ट रिस्पांडर के रूप में तैयार किया गया है।

नर्मदा जनजागृति यात्रा के दौरान निम्न उद्देश्यों की पूर्ति की गई है :–

- सिमक रिडक्शन एवं बाढ़ आपदा हेतु फर्स्ट रिस्पांडर तैयार करना।
- नागरिकों को बाढ़ बचाव प्रशिक्षण एवं जनजागरण।
- वृक्षारोपण/ स्वच्छता/कुपोषण/नशामुक्ति, संबंधी जाग्रति।
- नर्मदा घाटी के किनारे के नवयुवकों/तैराकों/नाविकों को चिन्हित कर सिविल डिफेंस वालेन्टियर प्रशिक्षण।
- होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के कार्मिकों को नर्मदा घाटी के प्रभावित स्थलों/रास्तों के बारें में जानकारी एकत्रित करना।

संपूर्ण प्रदेश में आगामी मानसून 2017 को दृष्टिगत रखते हुये एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड विभाग द्वारा सिविल डिफेंस वालेन्टियर्स हेतु स्वेच्छा से मदद कार्य करने वाले योग्य व्यक्तियों (डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी कर्मी, पेरा मेडिकल स्टाफ, समाज सेवी जागरूक नागरिक आदि) आपदा के समय सहजता से उपलब्ध ग्रामीण व नगरवासी, एनसीसी, एनएसएस एवं विभिन्न परोपकारी संस्थाओं जैसे रेडक्रास, लायंस क्लब, रोटरी क्लब इत्यादि के सदस्यों को सिविल डिफेंस वालेन्टियर्स के रूप में जोड़कर, आपदा के समय उनका सहयोग लिये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये जा गये।

बाढ़ आपदा से निपटने हेतु स्टेट कमाण्ड सेंटर एवं जिला आपातकालीन संचालन केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। सभी जिलों में ईओसी एवं डीआरसी में प्रशिक्षित बल एवं आपदा बचाव उपकरण व सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इस संबंध में सभी जिला एवं संभागीय सेनानियों को आवश्यक निर्देश दिये गये है एवं पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

..2

Scanned by CamScanner

रेस्क्यू कार्य – आलोच्य अवधि में नदी/नाले/तालाब/नहर इत्यादि में फॅसे, आपदा के दौरान निम्नलिखित जिले सिहोर, बालाघाट, सतना एवं रीवा के एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड टीम द्वारा अलग–अलग स्थानों पर रेस्क्यू कर 44 व्यक्तियों एवं 16 पालतु पशुओं (गाय एवं भैंस) को सुरक्षित बचाकर, उनके जीवन की रक्षा की गई।
नदी/नाले/तालाब/नहर/कुआॅ इत्यादि में डूबने की घटना में 35 हताहत हुये लोगों को खोजकर उनके परिजनों को सौंपा गया।

अतः उपरोक्तानुसार अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर रहते हुये। बल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जवानों के कार्यो का पर्यवेक्षण, नियंत्रण रखा गया एवं आमजन की जीवन रक्षा संबंधी आपदा प्रबंधन कार्य को प्रभावी रूप से संपादित कराया गया है। बल के अधिकारियों, कर्मचारियों व जवानों को विशेष प्रशिक्षण एवं नवीन उपकरण व संसाधन उपलब्ध कराये जाकर उनकी क्षमतावृद्धि की गई है।

20/6/17

(के. बाबू राव)
अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक,
निजी सुरक्षा एजेंसी, मध्यप्रदेश,
पुलिस मुख्यालय, भोपाल

Scanned by CamScanner